प्रादर्श प्रश्न पत्र 2012

विषय – हिन्दी विशिष्ट

कक्षा – बारहवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उनके सामने अंकित है।
3. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए $1 \times 5 \times 5 = 25$ अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 6 से 10 तक में प्रत्येक के उत्तर लगभग 50 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 11 से 19 तक में प्रत्येक के उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 20 का उत्तर लगभग 250/300 शब्दों में लिखिए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. 'वापसी' कहानी.....पृष्ठ भूमि पर आधारित है।
   (ऐतिहासिक/सामाजिक)
2. केशवदास मूलतः..... कवि थे।
   (रीतिकाल/भक्तिकाल)
3. महादेवी वर्मा की छोटी बहिन का नाम.....था।
   (श्यामा/रामा)

4. माधुर्यता का शुद्ध रूप.....है।

(माधुर्य / मधुर)

5. 'शांति रस' का स्थायी भाव.....है।

(निर्वेद / उत्साह)

प्रश्न 2. सही विकल्प चुनिए –

(1) काव्य की शोभा बढ़ाने वाले शब्द को कहते है –

(अ) छंद (ब) शब्दशक्ति

(स) अलंकार (द) शब्दगुण

(2) रचना के अनुसार वाक्य भेद होते है –

(अ) दो प्रकार (ब) तीन प्रकार

(स) आठ प्रकार (द) चार प्रकार

(3) गौरा के बछड़े का नाम था –

(अ) लालसिंह (ब) नीलमणि

(स) लालमणि (द) नीलममणि।

(4) तात्या टोपे एकांकी का नायक है –

(अ) मानसिंह (ब) सर राबट्र्स नेपियर

(स) तात्या टोपे (द) मेजर भीड।

(5) पूरण पुराण और पुरूष पुराण है –

(अ) गणेश (ब) राम

(स) सरस्वती (द) शंकर।

प्रश्न 3. सही जोड़ी बनाइए –

	क	**–**	**ख**
(1)	राष्ट्र के श्रृंगार	–	डॉ. रघुवीर सिंह
(2)	यशोधरा	–	रामदरस मिश्र

(3) छोटे–छोटे सुख – वाक्य

(4) विचार व्यक्त करने वाला शब्द– छंद

(5) मात्रिक एवं मर्णिक – श्रीकृष्ण 'सरल'

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य छांटिए –

1. रोला और उल्लाला छंदों के योग से छप्पय छंद बनता है।
2. मुहावरे तथा लोकोक्तियां समान हैं।
3. चार धाम की यात्रा का मार्ग अत्यंत दुर्गम है।
4. अध्यक्ष महोदय एक व्यंग रचना नहीं है।
5. नदी के द्वीप रचना के कवि अज्ञेय है।

प्रश्न 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :–

1. बीती विभावरी से क्या तात्पर्य है?
2. गजाधर बाबू को दी गई चाय में क्या नहीं पड़ी थी?
3. देव प्रयाग में अलकनन्दा के पानी का रंग कैसा है?
4. छोटे–छोटे वाक्यांश कहलाते है?
5. विस्तृत कलेवर वाले काव्य को क्या कहते है?

प्रश्न 6. कवि ने भाई–बहन के स्नेह को किन–किन प्रतीकों के माध्यम से अभिव्यक्त किया है?

अथवा

सिंह और स्यार किसे और किस संदर्भ में कहा है?

प्रश्न 7. कबीरदास जी ने कुसंग के दुष्प्रभाव को किस तरह स्पष्ट कियाा है? उल्लेख कीजिए।

अथवा

'महत्ता' शीर्षक कविता में भारतवर्ष की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है? लिखिए।

प्रश्न 8. नदी हमें किस प्रकार संस्कार देती है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कवि वीरेन्द्र मिश्र ने भारतीयों को ''रक्त चरित्रों'' कहकर क्यों सम्बोधित किया है?

प्रश्न 9. वापसी शीर्षक कहानी का उद्देश्य लिखिए।

अथवा

नये मेहमान एकांकी के आधार पर महानगरों के आवास की समस्या पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 10. श्रीकृष्ण ने अर्जुन की जिज्ञासाओं का कैसे समाधान किया?

अथवा

खेल शीर्षक कहानी का उद्देश्य लिखिए।

प्रश्न 11. चिकित्सा क्षेत्र में नैनो टेक्नोलॉजी की उपयोगिता बताइये।

अथवा

आह मेरा गोपालय देश महादेवी वर्मा ने निःश्वास छोड़ते हुए ऐसा क्यों कहा? लिखिए।

प्रश्न 12. (अ) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिये।

1. मेरे पास सुरेश की पुस्तक है। (मिश्रित वाक्य)
2. उसने लाल किला देखा है। (प्रश्नवाचक वाक्य)

(ब) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. अन्धे की लाठी
2. कान का कच्चा
3. कलम तोड़ना

अथवा

(अ) निर्देशानुसार वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

1. वे सज्जन पुरूष कौन है?
2. मैं आटा पिसवाने जा रहा हूँ।

(ब) भाव विस्तार कीजिए।

''बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।''

प्रश्न 13. श्रृंगार रस की परिभाषा एक उदाहरण देते हुए लिखिए।

अथवा

ब्याज–स्तुति एवं ब्याज–निंदा अलंकार की एक–एक उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

प्रश्न 14. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा डॉ. रघुवीर सिंह का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाषा शैली (3) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 15. बालकृष्ण शर्मा नवीन अथवा गजानन माधव मुक्ति बोध का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाव पक्ष (3) कलापक्ष (4) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 16. निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''शब्द सम्हारे बोलिए, शब्द के हाथ न पांव।
एक शब्द औषधि करे, एक शब्द करे घाव।।

जिभ्या जिन बस में करी, तिन बस कियो जहान।
नहि तो औगुन उपजै, कहि सब सन्त सुजान।।

अथवा

जब जग मुझे तोड़ने आता,
मैं हंस–हंस रो देता।
जब तुम मुझ पर हाथ उठाती,
मैं सुधि–बुधि खो देता।
ह्रदय तुम्हारा–सा ही मेरा इसको यों न मरोड़ों
देखों मालिन मुझे न तोड़ो।

प्रश्न 17. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

असल प्रकाश तो हमारे जीवन में छिपा हुआ है– सृजन का प्रकाश। आदमी का आचरण, आदमी का शील, आदमी का श्रम, आदमी का विवेक और आदमी की भावना जिसे छू ले, वह प्रकाशित हो जाए। बड़े–बड़े अंधेरों को तराशकर ये प्रकाश निर्झर बहा दें। जवारों जैसे पीताभ गेहूं के पौधे क्या यह संदेश नहीं देते कि सृजन की यात्रा कभी रूकती नहीं?

अथवा

यह संसार क्षण भंगुर है। इसमें दुख क्या और सुख क्या? जो जिससे बनाया है वह उसी में लय हो जाता है। इसमें शोक और उद्वेग की क्या बात है? यह संसार जल का बुदबुदा है, फूटकर किसी रोज जल में ही मिल जायेगा। फूट जाने में ही बुदबुदे की सार्थकता है।

प्रश्न 18. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

नारी सृष्टि का आधार है। नारी के बिना संसार की प्रत्येक रचना अपूर्ण तथा रंगतहीन है। वह मृदु होते हुए भी कठोर है, उसमें पृथ्वी जैसी सहनशीलता, सूर्य जैसा ओज तथा सागर जैसा गाम्भीर्य एक साथ दृष्टिगोचर होता है। नारी

के अनेक रूप है, वह समाज कभी उन्नति नहीं कर सकता, जहां नारी को सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता। नर और नारी गृहस्थी रूपी गाड़ी के दो पहिए है। इन दोनों के सामंजस्य से ही गृहस्थी का रथ सुचारू रूप से गतिमान रहता है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 3. सृष्टि का आधार किसे कहा गया है?

प्रश्न 19. सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल को कक्षा 12वीं की अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने के संबंध में आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने नगर के सहायक यंत्री को जल की अनियमित पूर्ति के संबंध में शिकायती पत्र लिखिए।

प्रश्न 21. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. भारत की सांस्कृतिक विरासत
2. आतंकवाद और राष्ट्रीय अखण्डता
3. भ्रष्टाचारः समस्या और निदान
4. भारतीय समाज में नारी का महत्व
5. कम्प्यूटर : आज की आवश्यकता

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – हिन्दी विशिष्ट
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. सामाजिक
2. रीतिकाल
3. श्यामा
4. माधुर्य
5. निर्वेद

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. अलंकार
2. तीन प्रकार
3. लालमणि
4. तात्या टोपे
5. राम

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सही जोडियां बनाइये–

	क	**–**	**ख**
(1)	राष्ट्र के श्रृंगार	–	श्रीकृष्ण 'सरल'
(2)	यशोधरा	–	डॉ. रघुवीर सिंह
(3)	छोटे–छोटे सुख	–	रामदरस मिश्र

(4) विचार व्यक्त करने वाला शब्द– वाक्य

(5) मात्रिक एवं मर्णिक – छंद

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. सत्य/असत्य छांटिये –

1. सत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. सत्य

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. बीती विभावरी से अमात का तात्पर्य है।
2. गजाधर बाबू को दी गई चाय में चीनी नहीं पड़ी थी।
3. देव प्रयाग में अलकनन्दा के पानी का रंग नीला है।
4. छोटे–छोटे वाक्यांश महाकाव्य मुहावरे कहलाते है।
5. विस्तृत कलेवर वाले काव्य को महाकाव्य कहते है।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. गोपाल सिंह नेपाली जी ने 'भाई–बहन' के स्नेह को देश प्रेम में परिवर्तित कर नये–नये प्रतीकों का सहारा लिया है।

बहन के प्रतीक – चिनगारी, हराती गंगा, बसंती चोला, कराल क्रांति, राधा–रानी, आंगन की ज्योति, ममता की गोद, बहन की बुद्धि, नदी की धारा, ध्रुवतारा के रूप में बताया है।

भाई के प्रतीक – प्रेम की ज्वाला, बेहाल झेलम, राजा हुआ लाल, विकराल, बंशीवाला, घर का पहरेदार, प्रेम का पुतला, जीवन का क्रीड़ा कौतुक, क्रियाशीलता, एक लहर बताया है।

– मानवीय जीवन की ओज पूर्ण अनुभूतियों का वर्णन है।

– देश–प्रेम का आदर्श उद्‌घाटित किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

श्रीकृष्ण सरल जी ने सिंह का अर्थ भारत के वीर पुरूषों तथा स्यार का अर्थ देश के कायर एवं गद्‌दार लोगों से किया है। अतः देश के युवा वीरों को ध्यान रखा है तथा देश के बाहर रहने वाले शत्रु अपने देश को नुकसान न पहुंचा पायें, सजग किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. कबीर दास जी ने कुसंग का दुष्प्रभाव मनुष्य पर अवश्य पड़ता है, उसे सुमार्ग से हटाकर कुमार्ग पर ले जाता है। इसीलिए संसार में संग का प्रभाव मनुष्य पर पड़ता है। अतः मनुष्य को सावधानीपूर्वक कुसंग से बचने की सलाह दी है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'महत्ता' कविता में कवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने भारत की महत्ता का उल्लेख किया है जो लोग हमको अतीत में असभ्य बतला रहे है वे लोग हमारी सभ्यता से या तो अनजान है या पक्षपात की भावना से ग्रसित है। हमसे ही लोग विद्या प्राप्त किये। देवता भी स्वर्ग में भारतवासियों के उत्कर्ष को देखकर गुणगान करते हैं।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. 'नदी के द्वीप' शीर्षक में नदी समाज का प्रतीक है तथा द्वीप व्यक्ति का प्रतीक है। समाज हमें सद्‌गुणों से युक्त बनाता है, हमारी बुराईयों को दूर करता है। अंत में हम संस्कारवान बनें तथा देश के विकास में अपना योगदान दें।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

हम सभी भारतवासियों का कर्तव्य है कि देश की एकता को कायम रखें। अपनी सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें। शांति और स्वाधीनता बनाये रखें। अपने देश की रक्षा करें। अतः भारत के लालों को कवि वीरेन्द्र मिश्र ने रक्त चरित्र कहकर संबोधित किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. ऊषा प्रियम्बदा द्वारा रचित 'वापसी' कहानी पारिवारिक संबंधों की संवेदनहीनता पर आधारित है। पारिवारिक संवेदनाओं की वापसी का प्रयास, व्यक्तिवादी प्रवृत्तियों के बढ़ते क्रम पर लगाम लगाने तथा पुरानी पीढ़ी और नयी पीढ़ी में सामंजस्य को बढ़ावा देना है। इसमें पारिवारिक संवेदनाओं की वापसी का प्रयास भी है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'नये मेहमान' एकांकी में उदयशंकर भट्‌ट जी ने महानगरों में मध्यम वर्ग की आवास समस्या को प्रस्तुत किया है साथ ही पड़ोसियों से तालमेल बैठाना और भी चिंता का विषय है। इसमें यथार्थ स्थिति का चित्रण सरल तथा व्यंग्य विनोद तथा बोलचाल की सहज भाषा के माध्यम से किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. श्रीकृष्ण द्वारा मध्यस्थता करने तथा कम से कम मांग के प्रस्ताव को दुर्योधन ने स्वीकार नहीं किया तो युद्ध अनिवार्य हो गया। महाभारत व युद्ध क्षेत्र में दोनों सेनाओं के मध्य श्रीकृष्ण ने रथ खड़ा कर अर्जुन की जिज्ञासा तथा मोह दूर कर गीता सुनाई।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'खेल' कहानी जैनेन्द्र जी की बाल मनोविज्ञान पर आधारित है। बच्चों की कल्पना और यथार्थ कल्पना ही उनका यथार्थ है। संसार की क्षणभंगुरता एवं नश्वरता से परिचित नहीं होते। नारी रचना और क्षमा का प्रतीक है। पुरूष अहंकारी पर नारी के अनुशासन का अभिलाषी है। नारी पुरूष को अपने वश में कर लेती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. नैनो टेक्नॉलोजी संसार भर में अपनी विशेषताओं और उपयोगिताओं के कारण लोकप्रिय हो रही है। यों तो क्षेत्र अनन्त एवं असीम है। इसका सर्वाधिक प्रभाव चिकित्सा के क्षेत्र में ही देखने को मिल रहा है। भविष्य में भी इसमें अपार संभावनाएं है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विश्व में भारतवर्ष ही एक मात्र ऐसा देश है जहां पशु–पक्षी से लेकर पत्थर तक पूजे जाते है। गाय हमारी संस्कृति की आराध्य तथा परिचायक रही है। अपनी पालतू गाय के अचानक विछोह की असहनीय पीड़ा को सहन करने के प्रयास में जब लम्बी सांस लेती है तो सहसा उसके मुख से निकल पड़ता है – ''आह

मेरा गोपालक देश'' अर्थात लेखिका को गाय पालने वालों के निर्मम स्वभाव पर अत्यधिक वेदना होती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. (अ) निर्देशानुसार वाक्य –

1. मेरे पास ये जो पुस्तक है, सुरेश की है।
2. क्या उसने लाल किला देखा है?

(ब) मुहावरें एवं वाक्य प्रयोग–

1. अंधे की लाठी – एक मात्र सहारा
   वाक्य प्रयोग– रमेश अपने बूढ़े पिता की अंधे की लाठी है।
2. कान का कच्चा – अफवाहों पर विश्वास करना
   वाक्य प्रयोग– श्री शर्मा कान के कच्चे है, तभी तो राम की बातों को सत्य मान लेते है।
3. कलम तोड़ना – अच्छी रचना करना
   वाक्य प्रयोग– श्री भारती जी जब कविता लिखते है, कलम तोड़ देते हैं।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2 = 4)

अथवा

(अ)

1. वे सज्जन कौन है?
2. मैं गेहूं पिसवाने जा रहा हूँ।

(ब) 'बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।' क्रोध यदि आम है तो बैर उसका अचार या मुरब्बा है। बैर क्रोध का स्थायी रूप है। क्रोध अधिक समय तक रहता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2 = 4)

उत्तर 13. श्रृंगार का आधार प्रेम भाव है। इसमें नारी–पुरूष के अनुराग का वर्णन होता है। स्थाई भाव रति है।

उदाहरणः– राम को रूप निहारति जानकी,
कंगन के नग की परछाही।
यातैं सुधि सब भूल गई,
कर टेक रही पल टारत नाहीं।।

अथवा

ब्याज स्तुति –

जमुना तुम अविवेकनी, कौन लियो यह ढंग।
पापिन सौ निज बंधु कौ, मान करावति भंग।।
देखनें में निंदा सी प्रतीत होती है, पर वास्तव में प्रशंसा होती है।

ब्याज निंदा –

नाक–कान बिनु भगिनि तिहारी, छमा कीन्ह तुम धर्म विचारी।
लाजवंत तुम सहज सुभाऊ, निज गुन निज मुख कहसिन काऊ।।
कथन से स्तुति सी प्रतीत होती है पर यथार्थ में निंदा है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2 = 4)

उत्तर 14. **लेखक परिचय –** आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

1. **रचनाएं :–** हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी काव्य में रहस्यवाद, रस मीमांस, चिन्तामणि।
2. **भाषा :–** साहित्यिक दृष्टि से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की भाषा अत्यंत परिष्कृत एवं संस्कृतनिष्ठ है। उर्दू, फारसी के शब्दों का स्वाभाविक प्रयोग हुआ है। मुहावरों, लोकोक्तियों के प्रयोग आपकी अभिव्यक्ति को और अधिक प्रभावी बना देते है।

3. **शैली** :– शुक्ल जी अपनी शैली के स्वयं निर्माता है। उनकी शैली समास से प्रारंभ होकर व्यास शैली के रूप में समाप्त होती है। मुख्य रूप से आपने समीक्षात्मक, गवेषणात्मक, भावात्मक व व्यंग्य प्रधान शैली का प्रयोग किया है।
4. **साहित्य में स्थान** :– आचार्य शुक्ल युग प्रवर्तक निबंधकार के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे। उन्होंने हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखकर अमरत्व प्राप्त किया है। मनोवैज्ञानिक विषयों पर लिखे गए उनके निबंध साहित्य की अमूल्य धरोहर है।

(2+1+1+1=5 अंक)

अथवा

लेखक परिचय – डॉ. रघुवीर सिंह

1. **रचनाएं** :– ताज, फतेहपुर सीकरी, शेष स्मृतियां, बिखरे फूल तथा जीवन कण आदि।
2. **भाषा** :– सरल, स्पष्ट तथा बोधगम्य। कभी–कभी संस्कृत शब्द तथा उर्दू शब्दों का भी प्रयोग किया गया है।
3. **शैली** :– भावात्मक, चित्रात्मक, आलंकारिक, विचारात्मक, वर्णनात्मक आदि।
4. **साहित्य में स्थान** :– मुख्यतः ऐतिहासिक विषयों के निबंधकार के रूप में जाने जाते है। इनके निबंधों में दार्शनिक चिंतन, सांस्कृतिक साहित्य, शोधपरक अनुसंधान पाये जाते है। इन्हें प्रतिभाशाली साहित्यकारों के रूप में जाना जाता है।

(2+1+1+1=5 अंक)

उत्तर 15. **कवि परिचय –** बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

1. **रचनाएं** :– उर्मिला, रश्मि–रेखा, कुंकुम, अपलक, प्राणार्पण आदि।
2. **भाव पक्ष** :– देश प्रेम, क्रांति, प्रेम एवं भक्ति भावना।
3. **कला पक्ष** :– तत्सम शब्द, ओजपूर्ण शैली, छंद योजना, प्रकृति चित्रण।

4. **साहित्य में स्थान :–** नवीन जी के काव्य में राष्ट्र प्रेम, मानव प्रेम, लौकिक प्रेम तथा अलौकिक प्रेम का समन्वय पाया जाता है। इसी कारण हिन्दी साहित्य में प्रमुख स्थान है।

(2+1+1+1=5 अंक)

अथवा

कवि परिचय – गजानन माधव ''मुक्ति बोध''

1. **रचनाएं :–** चांद का मुंह टेड़ा है, काठ का सपना, सतह से उठता हुआ आदमी, नये साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र, भारतीय इतिहास, कामायनी एक पुर्नविचार।
2. **भाव पक्ष :–** मुक्तिाबोध जी जीवन तथा समाज के यथार्थ से संबंध रखते है। कविता में समाज की विपन्नता, विवशता तथा विसंगतियों को चित्रित किया है। काव्य में मानवतावाद का स्वर स्पष्ट से मुखारित हुआ है। कविता में आधुनिक भाव बोध की सशक्त अभिव्यंजना है। उनकी काव्य चेतना में चिंतन की प्रचुरता है।
3. **कला पक्ष :–** भाषा परिमार्णित, प्रौढ़ तथा पुष्ट है। भाषा सरल तथा प्रवाहमय है। भाषा में प्रांजलता, शब्द चयन की सहजता, सार्थकता के साथ–साथ बोध के अनुरूप कथ्य को प्रकट करने की पूर्ण सामर्थ्य है। भाषा में कहीं पर बनावट तथा अस्वाभिकता नहीं है। इनकी काव्य शैली बिम्ब तथा प्रतीक प्रधान है। वे सहज जीवन को व्यक्त करने कारण सरलता से ग्राह्य है।
4. **साहित्य में स्थान :–** गजानन माधव मुक्ति बोध नई कविता के प्रतिनिधि कवि है। जीवन मूल्यों के प्रयोग करने वाले कवि भी है। इनका विशिष्ट स्थान है।

(2+1+1+1=5 अंक)

उत्तर 16. पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत अंश 'साखी' शीर्षक से अवतरित है, इसके रचयिता कबरीदास जी हैं।

प्रसंगः– इसमें कवि ने वाणी के महत्व को प्रतिपादित किया है।

व्याख्याः– कबीरदास जी कहते है कि मनुष्य को बोलने के पूर्व सोच विचार करना चाहिए क्योंकि शब्दों के हाथ पैर नहीं होते। मीठे वचन औषधि का काम करते है जबकि कटु वचन सुनने वाले के शरीर में घाव कर सकते है अर्थात मधुर वचन सुखी तथा कटु वचन दुःखी करते है। कबरीदास जी का कहना है जिन लोगों ने अपनी जीभ को वश में कर लिया मानों उन्होंने संसार जीत लिया जिन्होंने जीभ को वश में करना नहीं सीखा उनको अनेक दुःख उठाने पड़ते है, ऐसा सज्जनों का कहना है।

विशेषः– भाषा सधुक्कड़ी है। अनुप्रास अलंकार, दोहा–छंद तथा शांत रस का प्रयोग।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

अथवा

पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत अंश 'देखो मालिन मुझे न तोड़ो' शीर्षक से अवतरित है। इसके रचयिता श्री शिवमंगल सिंह सुमन है।

प्रसंगः– इसमें फूल ने मालिन से कहा है कि जब कोई मुझे तोड़ने आता है तो मैं सुधि–बुधि खो बैठता हूँ।

व्याख्याः– फूल कहता है कि जब कोई मुझे शाखा से तोड़ता है तो मुझे हंसी आती है तत्पश्चात मेरी कलाई छूट जाती है। हे मालिन! जब तुम मुझे तोड़ने के लिए हाथ उठाती हो तो मैं चेतन शून्य हो जाता हूँ। अर्थात मानव के ह्रदय की भांति फूल का ह्रदय भी कोमल है। उसकी इच्छा है कि इस संसार में

मालिन या अन्य कोई मुझे शाखा से तोड़कर अलग न करें। हे मालिन! तुम मुझे न तोड़ो।

विशेषः– भाषा सहज और सरल है। पुष्प का मानवीकरण किया गया है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

उत्तर 17. गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या –

असल प्रकाश तो.....सृजन की यात्रा कभी रूकती नहीं।

संदर्भः– प्रस्तुत अवतरण 'तिमिर गेह में किरण आचरण' से उद्धृत है। इसके लेखक डॉ. श्याम सुन्दर दुबे है।

प्रसंग :– जीवन में सृजन के प्रकाश की आवश्यकता को दर्शाया है।

व्याख्या :– सृजन अर्थात निर्माण की आवश्यकता और आकांक्षा मनुष्य को स्वयं के अंदर से ही प्राप्त होती है। मनुष्य अपने आचरण, शील, श्रम, विवेक और कार्य संपादन की अभिलाषा से जो भी कार्य करेगा वे अवश्य ही पूर्ण होंगे। अंधकार में प्रकाश का सृजन मनुष्य के द्वारा ही संभव है। गेहूं के उगते हुए पीताभ नन्हें पौधे यह संदेश देते हैं कि निंरतर सृजन अथवा निर्माण प्रकृति का शाश्वत नियम है।

विशेष :–

1. सृजन की प्रेरणा मनुष्य को अपने अंदर से प्राप्त होती है।
2. लेखक ने गेहूं के नन्हें पौधों के माध्यम से निरंतर कर्मरत रहने की प्रेरणा दी है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

अथवा

गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या –

यह संसार क्षण भंगुर.....की सार्थकता है।

संदर्भः– प्रस्तुत अवतरण हमारी पाठ्यपुस्तक के पाठ खेल से उद्धृत है। इसके लेखक जैनेन्द्र कुमार है।

प्रसंग :– यह संसार क्षण भंगुर है जीवन की क्षण भंगुरता को दर्शाया गया है।

व्याख्या :– यह संसार पानी के बुलबुले के समान क्षण भंगुर है। दुख और सुख समान है, कभी स्थायी नहीं रहते है। जन्म और मृत्यु शाश्वत सत्य है। इस सृष्टि का प्रत्येक सचर और जो इस संसार में आया है उसका अन्त निश्चित है। इसके लिये दुख करना निरर्थक है। पानी के बुलबुले की सार्थकता फूट कर पानी में मिल जाने में ही है।

विशेष :–

1. संसार क्षण भंगुर है। पानी के बुलबुले के समान है।
2. जीवन में सुख दुख स्थायी नहीं रहते है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

उत्तर 18. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक – नारी की महत्ता।

उत्तर 2. सारांश – नारी सृष्टि का आधार है। नारी के बिना संसार की प्रत्येक रचना अपूर्ण तथा रंगतहीन है। वह मृदु होते हुए भी कठोर है, उसमें पृथ्वी जैसी सहनशीलता, सूर्य जैसा ओज तथा सागर जैसा गाम्भीर्य एक साथ दृष्टिगोचर होता है।

उत्तर 3. सृष्टि का आधार नारी को कहा गया है।

(1+3+1 कुल 5 अंक)

उत्तर 19.

<u>शाला शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन पत्र</u>

प्रति,

सचिव महोदय,

माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र.

भोपाल (म.प्र.)

विषयः– अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने के संबंध में।

महोदय

विनम्र निवेदन है कि मेरी 12वीं परीक्षा 2012 की अंकसूची गुम हो गई है। अतः मुझे द्वितीय प्रति भेजने का कष्ट करें। इसके लिए मैं 40/– का बैंक ड्राफ्ट क्र.....आपके नलाम से भेज रहा हूँ।

मुझसे संबंधित जानकारी निम्नानुसार है –

1. नाम
2. पिता का नाम
3. परीक्षा
4. परीक्षा केन्द्र
5. अनुक्रमांक
6. नियमित/स्वा.
7. पूरा पता
8. केन्द्र क्रमांक
9. संलग्नक – 40/– रूपये का ड्राफ्ट

धन्यवाद।

आवेदक

दिनांक

राजेश कुमार त्यागी

पिता श्री मनमोहन त्यागी

कक्षा– XII वर्ग 'ब'

(1+3+1 कुल 5 अंक)

अथवा

प्रति,

सहायक यंत्री,
लोक यांत्रिकी, जल प्रदाय विभाग,
जिला भोपाल

विषयः– जल की अनियमित पूर्ति के संबंध में।

महोदय

विषयान्तर्गत विनम्र निवेदन है कि मयूर विहार कॉलोनी अशोका गार्डन भोपाल में कुछ महिनों से पानी की पूर्ति नहीं हो रही है। जिससे कॉलोनी वासी बहुत परेशान हो रहे है। अतः महोदय से निवेदन है कि जल की नियमित पूर्ति करने की व्यवस्था करें। कॉलोनीवासी आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद।

आवेदकगण

दिनांक

मयूर विहार कॉलोनी वासी

(1+3+1 कुल 5 अंक)

उत्तर 20. **निबंध लेखन–**

आधुनिक भारत में भारतीय नारी

''मैं कवि की कविता कामिनी हूँ, मै चित्रकार का रूचिर चित्र।
मै जगत नाट्य की रसाधार, अभिलाषा मानव की विचित्र।।

1. प्रस्तावना
2. प्राचीन भारतीय नारी
3. मध्यकाल में नारी की स्थिति
4. आधुनिक नारी
1. उपसंहार

प्रस्तावना – ब्रम्हा के पश्चात इस भूतल पर मानव को अवतरित करने वाली नारी का स्थान सर्वोपरि है। मां, बहन, पुत्री एवं पत्नी रूपो में वह देवी है। वही मानव समाज से संबंध स्थापित करने वाली है। किन्तु दुर्भाग्य यह रहा है कि इस जगत को समुचित स्थान न देकर पुरूष ने प्रारंभ से अपने वशीभूत रखने का प्रयत्न किया है।

प्राचीन भारत में नारी – प्राचीन काल में नारी की स्थिति अच्छी थी, वैदिक काल में नारी का सम्मानजनक स्थान था। रोमसा, लोपायुद्रा आदि नारियों ने ऋग्वेद के सूत्रों को रचाा तो कैकयी, मन्दोदरी आदि की वीरता एवं विवेकशीलता व्याख्यात है। सीता, अनुसुइया, सुलोचना आदि के आदर्शें को आज भी स्वीकार किया जाता है। महाभारत काल की गांधारी, कुन्ती, द्रोपदी के महत्व को भुलाया नहीं जा सकता है उस काल में नारी बन्दनीय रही।

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तग देवता।''

मध्यकाल में नारी की स्थिति – मध्यकाल नारी के लिए अभिशाप बनकर आया। मुगलों के आक्रमण के फलस्वरूप नारी की करूण कहानी का आरंभ हुआ। मुगल शासकों की कामुकता ने उसे भोग की वस्तु बना दिया। वह घर की सीमाओं में ही बंदी बनकर रह गई थी वह पुरूष पर आश्रित होकर अबला बन गई थी।

''अबला जीवन हाय, तुम्हारी यही कहानी।
आंचल में है दूध, और आंखों में पानी।।

भक्तिकाल में भी नारी को समुचित स्थान नहीं मिल सका। सीता, राधा आदि के आदर्श रूपों के अतिरिक्त नारियों को कबीर, तुलसी आदि कवियों ने नागिन, भस्म करने वाली तथा पतन की ओर ले जाने वाली माना।

रीतिकाल में तो वह पुरूषों के हाथों का खिलौना बनकर रह गई।

आधुनिक नारी – आधुनिक काल में नारी चेतना तथा नारी उद्धार का काल रहा है। राजा राम मोहन राय महर्षि दयानन्द महात्मा गांधी आदि ने नारी को गरिमामय बनाया है। पंत के शब्दों में जनमन ने कहा– ''मुक्त करो नारी को मानव चिरबंदनीय नारी को युग युग की निर्मम कारा से जननी सखि, प्यारी''। वस्तुतः स्त्री तथा पुरूष जीवन रथ के दो पहिये है। नारी तथा पुरूष का एकत्व सार्थक मानव जीवन का आदर्श है। अतः उसे बन्दनीय मामना भूल है।

उपसंहार – आज नारी पराधीनता से मुक्त होकर पुनः अपनी प्रतिष्ठा एवं गरिमा को प्राप्त कर रही है। पाश्चात्य के प्रभाव के कारण नारी समाज के एक वर्ग में विलासित की भावना अवश्य बढ़ रही है, किन्तु वह दिन दूर नहीं जब वह सद्मार्ग पर आ जाएगी। वह अपने रूप का वरण करेगी। वस्तुतः नारी मानवता की प्रतिमूर्ति है।

''मानवता की मूर्तिवतीतू, भव्य भाव–भूषण भण्डार।
गया क्षमा ममता की आकर, विश्व प्रेम की है आधार।।''

प्रस्तुतिकरण 2 अंक, विषयवस्तु 4 अंक, भाषाशैली 2 अंक, उपसंहार 2 अंक। उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 10 अंक 10 अंक प्राप्त होंगे

– – – – – –